इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

शिक्षा विद्यापीठ

स्नातकोत्तर कला (शिक्षा) –एम.ए.ई.डी.यु.

द्वितीय वर्ष

नियतकार्य – जनवरी एवं जुलाई 2024

कृपया ध्यान दें :

अ) विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे नियतकार्यों का चयन स्वयं द्वारा पसन्द किये गये विशिष्ट क्षेत्र से करें।

ब) नियतकार्यों के उत्तर (ए आर) अपने अध्ययन केन्द्र के कार्यक्रम–प्रभारी के पास स्वयं द्वारा जमा किये जा सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक से प्रेषित किये जा सकते हैं।

स) आपको सभी नियतकार्यों की एक–एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखनी चाहिए।

(कृ.पृ.उ.)

विशिष्ट क्षेत्र : उच्च शिक्षा

एम.ई.एस.–101 उच्च शिक्षा : इसका सन्दर्भ एवं सम्बन्ध

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. भारत में ब्रिटिश शिक्षा पद्धति की मुख्य विशेषताओं को उजागर कीजिए। ब्रिटिश शासन की समाप्ति के बाद भी पद्धति ने शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को किस प्रकार प्रभावित किया? समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए।

2. समाज में सामाजिक–आर्थिक संस्थाओं के साथ शिक्षा के सम्बन्ध की परिचर्चा कीजिए। भारतीय समाज में इन संस्थानों में शिक्षा की भूमिका का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।

3. विगत तीन दशकों में उच्च शिक्षा के विकास की समीक्षात्मक परिचर्चा कीजिए। भारत में उच्च शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में ओ.डी.एल. पद्धति किस प्रकार योगदान कर सकती है? अपने निष्कर्ष के आधार पर परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–102 उच्च शिक्षा में निर्देशन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. शिक्षक सक्षमता का क्या अर्थ है? एक प्रभावी शिक्षक बनने के लिए उच्च शिक्षा के शिक्षक को किन शिक्षण सक्षमताओं को प्राप्त करने की आवश्यकता है? परिचर्चा कीजिए।

2. शिक्षार्थी के कार्य–निष्पादन/प्रदर्शन के मूल्यांकन में अनुपालन की जाने वाली अंकन एवं ग्रेडिंग प्रणालियों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। भारत में उच्च शिक्षा पद्धति के सन्दर्भ में मूल्यांकन की इन प्रणालियों में से आप किसे अधिक पसन्द करते हैं और क्यों?

3. परियोजना कार्य विधि से शिक्षण के लिए स्नातक कार्यक्रम से अपनी पसन्द की किसी समस्या अथवा शीर्षक का चयन कीजिए। उन विविध चरणों का वर्णन कीजिए जिनके माध्यम से आप अपने विद्यार्थियों के लिए परियोजना कार्य का संगठन करेंगे।

एम.ई.एस.–103 उच्च शिक्षा : मनो–सामाजिक सन्दर्भ

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. सर्जनात्मकता की अवधारणा और स्रोतों की व्याख्या कीजिए। उच्च शिक्षा के शिक्षार्थियों में आप सर्जनात्मकता को किस प्रकार विकसित कर सकते हैं? सोदाहरण परिचर्चा कीजिए।

2. कक्षाकक्ष प्रबन्धन का क्या अर्थ है? उच्च शिक्षा का शिक्षक अपने कक्षाकक्ष का प्रभावी प्रबन्धन किस प्रकार कर सकता/सकती है? सोदाहरण परिचर्चा कीजिए।

3. मार्गदर्शन एवं परामर्श की अवधारणा और प्रकृति की व्याख्या कीजिए। उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों को परामर्श देने और जीवन परिस्थितियों को सुधारने के लिए आप किन तकनीकों का प्रयोग करेंगे? परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–104 उच्च शिक्षा का नियोजन एवं प्रबंधन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः

1. 'विश्वविद्यालय अद्वितीय सामाजिक व्यवस्था है'। भारत में विश्वविद्यालय व्यवस्था के सन्दर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

2. आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए अपने महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर शिक्षण और शिक्षणेत्तर कार्यों के संगठन की विस्तृत योजना तैयार कीजिए।

3. मान लीजिए स्नातक स्तर पर अपने महाविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन करने के लिए आप योजना बना रहे हैं। कार्यक्रम का मूल्यांकन करते समय आप कार्यक्रम के किन पहलुओं पर विचार करेंगे? परिचर्चा कीजिए।

विशिष्ट क्षेत्र : दूरस्थ शिक्षा

एम.ई.एस.–111 दूरस्थ शिक्षा का विकास और दर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. दूरस्थ शिक्षा किस प्रकार प्रभावी और अर्थपूर्ण शैक्षणिक रणनीति है? समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

2. दूरस्थ शिक्षा को शिक्षण एवं अधिगम का औद्योगीकृत रूप क्यों माना जाता है? ओटो पीटर्स (Otto Peters) के विचारों के आलोक में अपने उत्तर को न्यायोचित ठहराइये।

3. विश्वविद्यालय की रूपरेखा, संचालित पाठ्यक्रम, शिक्षार्थी नामांकन और आकलन रणनीतियों के सन्दर्भ में निम्नलिखित मेगा विश्वविद्यालयों का संक्षेप में वर्णन कीजिए:

—चीन केन्द्रीय रेडियो एवं टी.वी. विश्वविद्यालय (सी.सी.आर.टी.वी.यू.), चीन
—इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (आई.जी.एन.ओ.यू.), नई दिल्ली
—मुक्त विश्वविद्यालय (ओ.यू.), यूनाइटेड किंगडम

एम.ई.एस.–112 स्व–अधिगम मुद्रित सामाग्रियों की डिज़ाइन एवं विकास

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगामक क्षेत्रों में दिए गए अधिगम उद्देश्यों का वर्णन कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम में अधिगम प्रतिफलों को निर्दिष्ट करने के लिए इन उद्देश्यों का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

2. इकाई के आरम्भ, मुख्य भाग और सारांश/निष्कर्ष के विशेष सन्दर्भ में इसकी मुख्य विशेषताओं की परिचर्चा कीजिए।

3. पाठ्यक्रम की योजना, विकास और निर्माण (प्रोडक्शन) के विशेष सन्दर्भ में दूरस्थ शिक्षा पद्धति में अनुपालन की जाने वाली पाठ्यक्रम–तैयारी की प्रक्रिया की परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–113 शिक्षार्थी सहायता सेवायें

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. अधिगम संसाधनों तक पहुँचने, परामर्श सत्र संचालित करने और शिक्षार्थियों को शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में लगाने के विशेष सन्दर्भ में दूरस्थ शिक्षा पद्धति में अध्ययन केन्द्र के प्रकार्यों की परिचर्चा कीजिए।

2. विभिन्न प्रकार की अनुशिक्षक टिप्पणियों का वर्णन कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पद्धति की शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में इन टिप्पणियों का प्रभावी रूप से प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है? व्याख्या कीजिए।

3. दूरस्थ शिक्षा पद्धति में विद्यार्थियों के परामर्श के लिए प्रयोग किये जाने वाले विविध माध्यमों (मीडिया) की परिचर्चा कीजिए। दूरस्थ विद्यार्थियों के परामर्श के लिए आप किस माध्यम (मीडिया) को सर्वाधिक प्रभावी मानते हैं और क्यों?

एम.ई.एस.–114 दूरस्थ शिक्षा का प्रबन्धन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. भारतीय उच्च शिक्षा पद्धति में मुद्दों का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए। इन मुद्दों का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है? व्याख्या कीजिए।

2. दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के प्रबन्धन से सम्बद्ध कार्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. अपने संगठनात्मक पुनः स्थापन के लिए दूरस्थ शिक्षा संस्थान कौन से उपाय कर सकता है? सोदाहरण परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–115 दूरस्थ शिक्षा के लिए संचार प्रौद्योगिकी

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम–सामग्री के विकास एवं वितरण में आप माध्यम (मीडिया) का चयन और एकीकरण किस प्रकार करेंगे? सोदाहरण परिचर्चा कीजिए।

2. टेलीविज़न (टी.वी.) प्रोडक्शन की योजना बनाने (प्लानिंग) शेड्यूलिंग और कार्यान्वयन में अन्तर्निहित प्रक्रियाओं का वर्णन कीजिए।

3. दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के वितरण और विद्यार्थियों के अधिगम को सहज बनाने के लिए इन्टरनेट का प्रभावी रूप से प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है? व्याख्या कीजिए।

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी

(संशोधित)

एम.ई.एस.–131 शैक्षिक प्रौद्योगिकी : एक विहंगावलोकन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. आई.सी.टी. के अर्थ की व्याख्या कीजिए। शिक्षा में प्रौद्योगिकी–प्रयोग की वर्तमान प्रवृत्तियों की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए।

2. स्व–विनयमित अधिगम में शामिल प्रक्रियाओं का वर्णन कीजिए। स्व–विनयमित अधिगम को प्रौद्योगिकियाँ किस प्रकार सहायता कर सकती हैं? परिचर्चा कीजिए।

3. मान लीजिए आप से महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय में प्रौद्योगिकियों के प्रभावी प्रयोग के लिए एक प्रौद्योगिकी योजना तैयार करने के लिए अनुरोध किया गया है। उसी योजना को तैयार करने और क्रियान्वयन करने के लिए आप किन कदमों का पालन करेंगे? वर्णन कीजिए।

एम.ई.एस.–132 शिक्षा में संगणक (कम्प्यूटर)

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः

1. साइबर बदमाशी (साइबर बुलिंग) और साइबर उत्पीड़न (साइबर हरैसमेन्ट) से आप क्या समझते हैं? ऑनलाइन शिकारियों (ऑनलाइन प्रिडेटर्स) के लिए हम किस प्रकार सतर्क (विजिलैंट) रह सकते हैं?

2. पासवर्ड प्रबन्धन (पासवर्ड मैनेजमेंट) क्या है? मज़बूत पासवर्ड (स्ट्रांग पासवर्ड) के साथ ही कमज़ोर पासवर्ड (वीक पासवर्ड) के उदाहरण दीजिए।

3. ''आई सी टीज़ विशेष आवश्यकता वालों सहित सभी समूह के विद्यार्थियों के लिए आजीवन अधिगम की सहायता के लिए अत्यधिक सम्भावना प्रदान करती हैं।'' उपयुक्त उदाहरणों द्वारा सिद्ध कीजिए।

एम.ई.एस.–133 शैक्षिक प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी का चयन एवं एकीकरण

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. प्रौद्योगिकी चयन के एस ई सी टी आई ओ एन एस (SECTIONS) प्रतिमान (मॉडल) की परिचर्चा कीजिए। प्रौद्योगिकी चयन के सी ए एस सी ओ आई एम ई (CASCOIME) प्रमिमान (मॉडल) से एस ई सी टी आई ओ एन एस (SECTIONS) प्रतिमान (मॉडल) किस प्रकार भिन्न हैं?

2. प्रौद्योगिकी एकीकरण मैट्रिक्स (टी आई एम) क्या है? परिचर्चा कीजिए।

3. शिक्षण–अधिगम क्रियाकलापों और शैक्षिक संस्थाओं के प्रबन्धन के लिए आप प्रौद्योगिकी का प्रयोग किस प्रकार करेंगे? पाँच योजनायें सुझाइये।

एम.ई.एस.–134 कोर्सवेयर की रूपरेखा (डिज़ाइन), विकास एवं वितरण

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. मिश्रित अधिगम (ब्लेन्डेड लर्निंग) और फ्लिप्ड अधिगम (फ्लिप्ड लर्निंग) के लाभों का वर्णन कीजिए।

2. अनुदेशनात्मक अभिकल्प (इन्सट्रक्शनल डिज़ाइनिंग) के लिए आवश्यकता की परिचर्चा कीजिए। अनुदेशनात्मक अभिकल्प के किन्हीं दो प्रतिमानों (मॉडल) का वर्णन कीजिए।

3. एक शीर्षक का चयन कीजिए जिसको कि आप श्रव्य माध्यम (ऑडियो माध्यम) का प्रयोग करते हुए पढ़ाना चाहेंगे। श्रव्य कार्यक्रम (ऑडियो प्रोग्राम) के लिए एक आलेख (स्क्रिप्ट) लिखिए।

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी
(असंशोधित)

एम.ई.एस.–031 : ई. टी. : एक सिंहावलोकन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. अधिगम के रचनावादी उपागम के अर्थ और विशेषताओं का वर्णन कीजिए। रचनावादी कक्षाकक्ष परम्परागत कक्षाकक्ष से किस प्रकार भिन्न है? परिचर्चा कीजिए।

2. प्रतिपुष्टि की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। उन माध्यमों (चैनल) की परिचर्चा कीजिए जिनका कि प्रयोग आप शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के दौरान शिक्षार्थियों को प्रतिपुष्टि प्रदान करने के लिए करते हैं।

3. माध्यमिक विद्यालय स्तर से अपनी पसन्द के एक शीर्षक का चयन कीजिए। उसी शीर्षक को पढ़ाने के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों का चयन कीजिए जिनका कि प्रयोग करने के लिए आप योजना बना रहे

हैं। शीर्षक को पढ़ाने के लिए उन कारकों की परिचर्चा कीजिए जिन पर कि आप प्रौद्योगिकियों का चयन करते समय विचार करेंगे।

एम.ई.एस.–032 : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. अध्ययन कौशलों से आप क्या समझते हैं? विविध अध्ययन कौशल रणनीतियों का वर्णन कीजिए।
2. प्रसारण (ब्रॉडकास्टिंग) में उभरती हुई प्रवृत्तियों की परिचर्चा कीजिए।
3. स्व–अधिगम के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है? उदाहरण उद्धृत करते हुए अपने विचार सुझाइये।

एम.ई.एस.–033 : संगणक (कम्प्यूटर) प्रौद्योगिकी

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. वेब ब्रोजर (Web Browser) क्या है ? वेब ब्रोजर के घटकों का वर्णन कीजिए। किन्हीं तीन लोकप्रिय वेब ब्रोजरों को सूचीबद्ध कीजिए।
2. अथरवेयर (Authorware) क्या है ? यह अन्य अथरिंग (Authoring) उपकरणों (टूल्स) से किस प्रकार भिन्न हैं? अथरिंग के विविध चरणों की परिचर्चा कीजिए।

3. एक शीर्षक का चयन कीजिए जिसका कि आप शिक्षण करना चाहेंगे। कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी की सहायता से शिक्षण और विद्यार्थी सहायता को सबल बनाने के लिए एक योजना विकसित कीजिए। योजना का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए।

एम.ई.एस.–034 : कोर्सवेयर डिज़ाइनिंग (डिज़ाइनिंग कोर्सवेयर)

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. कक्षाकक्ष संचार के लिए योजना बनाने की आवश्यकता का वर्णन कीजिए। और इसकी योजना कैसे बनाई जाती है? वर्णन कीजिए।

2. सामान्य रूप से प्रयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकीय युक्तियों का वर्णन कीजिए जो कक्षाकक्ष शिक्षण में सहायता पहुँचाती हैं।

3. ''वीडियो कार्यक्रम शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं में सहायता करते हैं।'' उपयुक्त उदाहरणों का प्रयोग करते हुए इस कथन को न्यायोचित ठहराइये।

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रबन्धन

एम.ई.एस.–041 : शैक्षिक प्रबन्धन की वृद्धि और विकास

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. भारत में विद्यालय शिक्षा का सामना करने वाले मुद्दों की परिचर्चा कीजिए।

2. स्वतंत्रता–पूर्व और स्वातन्त्र्योत्तर भारत के दौरान शैक्षिक प्रबन्धन की तुलना कीजिए।

3. प्रभावी और सफल शैक्षिक प्रबन्धन के लिए आई.सी.टी. का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

एम.ई.एस.–042 : शैक्षिक प्रबन्धन के आयाम

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. लोकतांत्रिक समाजों में शिक्षा नीति के महत्व का विश्लेषण कीजिए। लोकतांत्रिक राष्ट्र के ढाँचे के अन्तर्गत शिक्षा नीति के महत्व पर संक्षिप्त विवरण लिखिए। अपने विश्लेषण को रेखांकित करने के लिए हाल के उदाहरण प्रयोग कीजिए।

2. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक शिक्षा में समुदाय सहभागिता की भूमिका का अन्वेषण कीजिए। शैक्षिक क्षेत्र में सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध सरकारी उपक्रमणों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए और आकलन कीजिए। आपकी चर्चा शैक्षिक

प्रभावोत्पादकता और समावेशिता को सुनिश्चित करने में रचनातंत्र, समुदाय लामबंदी के परिणामों पर प्रतिबिम्बित होनी चाहिए।

3. अपने राज्य में सर्व शिक्षा अभियान (एस एस ए) के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए। अपने राज्य में सर्व शिक्षा अभियान उपक्रमण के प्रभाव को वर्णित करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट लिखिए। आपकी चर्चा कार्यक्रम की संक्रियात्मक गतिकी के विश्लेषण के साथ ही प्रारंभिक शिक्षा के अनुबद्ध उद्देश्यों को प्राप्त करने में बाधाओं/अवरोधों (कन्सट्रेन्ट्स) को शामिल करें। प्रभावशीलता और चुनौतियों का समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए निष्कर्षों को संश्लेषित कीजिए।

एम.ई.एस.–043 : संगठनात्मक व्यवहार

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. एक संगठन में विविध प्रकार के कार्य समूहों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए।

2. नेतृत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। एक शैक्षिक संगठन से उदाहरण देते हुए नेतृत्व शैलियों के विविध सिद्धांतों की परिचर्चा कीजिए।

3. सकारात्मक अन्तःवैयक्तिक सम्बन्धों को विकसित करने के लिए विविध सोपानों का वर्णन कीजिए। प्रशासनिक स्टाफ, विद्यार्थियों, शिक्षण संकाय और समुदाय को प्रबन्धित करने में एक शैक्षिक प्रमुख द्वारा अदा की जाने वाली मुख्य भूमिका की परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–044 : सांस्थानिक प्रबन्धन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. कक्षाकक्ष प्रबन्धन के पूर्व क्रियात्मक (प्री–ऐक्टिव) और अन्तःक्रियात्मक (इन्टरैक्टिव) चरणों की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। कक्षाकक्ष प्रबन्धन के पूर्व क्रियात्मक और अन्तःक्रियात्मक दोनों चरणों में एक शिक्षक के लिए आवश्यक सावधानियों और नियोजन की परिचर्चा कीजिए।

2. एक शैक्षिक संस्था के लिए विद्यार्थी सहायता प्रणाली प्रदान करना क्यों महत्वपूर्ण हैं? विद्यार्थी सहायता प्रणाली के प्रबन्धन के लिए एक शैक्षिक संस्था द्वारा प्रदान की जाने वाली आवश्यक सेवाओं की व्याख्या कीजिए।

3. समग्र गुणवत्ता प्रबन्धन (टी क्यू एम) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। मान लीजिए आप एक विद्यालय में प्रधानाचार्य हैं, अपने विद्यालय के लिए समग्र गुणवत्ता प्रबन्धन को प्राप्त करने के लिए आप कौन से प्रयत्न करेंगे? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए।

विशिष्ट क्षेत्र : प्रौढ़ शिक्षा

एम.ए.ई.–001 : प्रौढ़ शिक्षा की समझ

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. प्रौढ़ अधिगम व्यवहार में अन्तर्निहित धारणाएं कौन सी हैं? प्रौढ़ शिक्षा के प्रोन्नयन और आजीवन अधिगम कें इन धारणाओं के महत्व की व्याख्या कीजिए।

2. प्रौढ़ शिक्षा के लिए प्रासंगिक विभिन्न दार्शनिक परम्पराओं की परिचर्चा कीजिए।

3. 'पाठ्यचर्या संव्यवहार संचार माध्यमों, पद्धतियों और रणनीति के द्वारा काफी हद तक प्रभावित है।' प्रौढ़ शिक्षा में पाठ्यचर्या संव्यवहार के सन्दर्भ में कथन का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए।

एम.ए.ई.–002 : भारत में प्रौढ़ शिक्षा का नीति नियोजन एवं कार्यान्वयन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. प्रौढ़ शिक्षा के उन्नयन में संसाधन सहायक संरचनाओं/ढाँचों (रिसोर्स सपोर्ट स्ट्रक्चर) की आवश्यकता और महत्व की व्याख्या कीजिए।

2. सहभागी प्रशिक्षण (पार्टीसिपेटरी ट्रेनिंग) में प्रौढ़ शिक्षकों (एडल्ट एडूकेटर्स) की भूमिकाओं की परिचर्चा कीजिए।

3. विभिन्न प्रकार के सतत शिक्षा कार्यक्रमों (कंटीन्यूइंग एजूकेशन प्रोग्राम) का वर्णन कीजिए। इन कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय सुझाइये।

एम.ए.ई.–003 : प्रौढ़ शिक्षा में ज्ञान प्रबन्धन, सूचना प्रसार एवं नेटवर्किंग

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः

1. प्रौढ़ों के विभिन्न समुदायों के लिए सूचना प्रसार हेतु आवश्यक सेवायें कौन सी हैं? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा उनकी व्याख्या कीजिए।

2. संसाधनों के आदान–प्रदान के विभिन्न तरीकों के विशेष सन्दर्भ में पुस्तकालय और सूचना सेवाओं के सम्बन्ध में नेटवर्किंग की भूमिका की परिचर्चा कीजिए।

3. संगठनात्मक व्यवहार के विशेष सन्दर्भ में प्राधिकार (अथारिटी), सत्ता (पावर) और राजनीति (पालिटिक्स) और प्रौढ़ शिक्षा के लिए उनकी प्रासंगिकता में अन्तः सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

एम.ए.ई.–004 : विस्तार शिक्षा और विकास

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. विस्तार शिक्षा के दर्शन और सिद्धान्तों की परिचर्चा कीजिए।

2. कृषि विकास और आर्थिक विकास में क्या सम्बन्ध है? भारत में कृषि विकास की महत्वपूर्ण समस्याओं की परिचर्चा कीजिए।

3. विस्तार कार्यक्रमों में निगरानी और मूल्यांकन क्यों महत्वपूर्ण हैं? निगरानी और मूल्यांकन की विविध विधियों की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। उपुयक्त उदाहरण दीजिए।

****